वर्ष: 13 - अंक : 242, मुंबई, गुरुवार, 16 नवंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक मुंबई हलचल ®

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

क्रिकेट के 'विराट' बादशाह

279 वीं पारी करियर की

106 गेंद में पूरा किया शतक

113 बॉल 117 रन की पारी खेली

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

वन डे में विराट कोहली ने बनाया रिकॉर्ड

शमी के सत्ते में फंसा न्यूजीलैंड, वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत

धूमधाम से मनाया गया सुहैल खंडवानी जी का जन्मदिन

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान सहित कई हस्तियों ने दी जन्मदिन की मुबारकबाद

(समाचार व चित्रमय छलकियां पृष्ठ 7 पर)

मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पांच सितारा होटल से 15 करोड़ की कोकीन जब्त

विदेशी महिला गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के विलेपार्ले इलाके से जब्त की गई 15 करोड़ रुपये की कोकीन की तस्करी के मामले में एनसीबी ने नई दिल्ली से 30 वर्षीय एक विदेशी महिंला को गिरफ्तार किया है। आरोपी विदेशी महिला की पहचान रेहेमा ऑगस्टिनो के तौर पर हुई है और वह तंजानिया की नागरिक है। मिली जानकारी के मुताबिक, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने 9 नवंबर को विलेपार्ले में घरेलू हवाई अड्डे के करीब एक पांच सितारा होटल में छापेमारी में दो किलो कोकीन जब्त की थी। इस मामले में जाम्बिया के नागरिक गिलमोर लेसी एंडी को गिरफ्तार किया गया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

छानबीन में अधिकारियों को पता चला कि जब्त कोकीन को नई दिल्ली में आरोपी तक पहुंचाया जाना था। इसके बाद एनसीबी की एक टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई। जब आगे जांच बढ़ी तो कोकीन की तस्करी में विदेशी महिला रेहेमा का नाम सामने आया

हमारी बात

आत्म-हानि की प्रवृत्ति

प्रदूषित शहरों की विश्व सूची में भारतीय शहर आज सबसे ऊपर आते हैं, तो यह कोई संयोग नहीं है। यह इस देश का अपना चयन है। जाहिर है, ऐसा भारतवासियों की सेहत- और यहां तक कि उनकी जान के लिए खतरा बढ़ाने की कीमत पर किया गया है।

खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति एक दिमागी बीमारी है। कोई व्यक्ति ऐसी बीमारी से पीड़ित हो जाए, तो उसे मनोचिकित्सक के पास ले जाना पड़ता है। लेकिन अगर किसी समाज पर ऐसी सामूहिक प्रवृत्ति हावी हो जाए, तो उसका क्या इलाज है, यह समझना कठिन हो जाता है। यह मसला इसलिए अहम है, क्योंकि फिलहाल हमें भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से में ऐसी प्रवृत्ति बढ़ने के संकेत देखने को मिल रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो इस समय राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों के लोगों को जहरीली हवा में सांस नहीं लेना पड़ता। प्रदूषित हवा झेल रहे इस क्षेत्र के लोगों पर प्रकृति ने दिवाली से ठीक पहले रहम दिखाई। अचानक हुई बारिश ने वातावरण को स्वच्छ कर दिया। अगर समाज का विवेक कायम होता, तो लोगों की स्वाभाविक प्राथमिकता इस वातावरण की रक्षा करनी होती। लेकिन दिवाली को जिस सुनियोजित ढंग से वातावरण को फिर से जहरीला बनाया गया, अब वह बहुचर्चित कहानी है। लेकिन बात सिर्फ यहीं तक नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने के आरंभ में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने राज्यों के बिजली मंत्रियों की एक बैठक आयोजित की। उसमें मुख्य रूप से नए कोयला संचालित बिजली संयंत्रों की स्थापना पर विचार किया गया। उसी रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा दशक भर बाद देखने को मिला है। जिस समय दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन की गति धीमी करने के लिए जीवाश्म ऊर्जा का उपयोग घटाने और अक्षय ऊर्जा पर जोर देने का रुझान है, स्पष्टतः भारत उसके उलटी दिशा में जा रहा है। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने जिस बेपरवाह रुख के साथ पर्यावरण संबंधी नियम-कानूनों में ढील दी है और उन पर अमल की निगरानी व्यवस्था को कमजोर किया है, उसका उल्लेख भी इस सिलसिले में किया जा सकता है।

स्वतंत्रता संग्राम की सेनानी बेगम जीनत महल का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बेगम जीनत महल ने भी महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। बेगम जीनत महल में अपूर्व साहस था। उसमें सूझबूझ की असाधारण क्षमता विद्यमान थी। बेगम ने मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर को अत्याचारी अंग्रेजों के विरूद्ध युद्ध का संचालन एवं उसका नेतृत्व करने की प्रेरणा प्रदान की। मलिका जीनत महल मुगल साम्राज्य के अंतिम मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर की बेगम थी। बेगम में अच्छी प्रशासिका के समस्त गुण विद्यमान थे। आजादी के लिए वह बैचेन थी। ब्रिटिश शासन से लोग परेशान हो चुके थे। उसके विरूद्ध क्रांति का वातावरण तैयार हो चुका था। बैरकपुर छावनी में मंगल पाण्डे ने अपने प्राणों की आहुति देकर क्रांति की अग्नि प्रज्ज्वलित कर दी थी। उसकी लपट कानपुर बनारस अवध तथा मेरठ तक फैल चुकी थी। ऐसी विकट परिस्थितियों में भी बहुत से राजा-महाराजा हाथ पर हाथ धरे बैठे हुए थे। मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर वृद्ध हो चले थे। उनकी शक्ति काफी क्षीण हो चुकी थी। वे शेरो-शायरी में रहते थे और चाहकर भी आजादी की लड़ाई में भाग लेने से हिचकिचा रहे थे। मेरठ के अनेक विद्रोही सैनिकों ने दिल्ली की ओर कूच कर दिया। इसी प्रकार अवध तथा रूहेलखण्ड के सैनिक भी मुगल दरबार में पहुँचे और मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर से निवेदन किया कि- जहांपनाह हम ब्रिटिश हुकूमत को खत्म करना चाहते हैं। सैनिकों ने मुगल सम्राट से आशीर्वाद देने तथा नेतृत्व करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि आप किसी प्रकार की चिन्ता नहीं करें। हम अंग्रेजों के खजाने को लूटकर आपके खाली कोष को भर देंगे। सैनिकों की प्रार्थना पर मुगल सम्राट ने कोई ध्यान नहीं दिया क्योंकि विश्वासघाती दरबारी नहीं चाहते थे कि युद्ध के संचालन का नेतृत्व मुगल सम्राट करे। अतः वे बहादुरशाह जफर को ऐसा करने से रोक रहे थे।

बेगम परदे के पीछे सैनिकों की बात सुन रही थी। जब उसने बहादुरशाह जफर का नकारात्मक रुख देखा तो वह बहुत दुखी हुई। जिस प्रकार क्षत्राणियाँ अपने पति और पुत्रों को युद्ध में भाग लेने के लिए प्रेरित करती थी उसी प्रकार का जोश रानी के मन में पैदा हो गया। बेगम ने बहादुरशाह जफर ने कहा राजन। यह समय गजलें कहकर दिल बहलाने का नहीं है। बिठुर से नाना साहब का सन्देश लकर बहुत से बहादुर सिपाही आए हैं। आज सारे भारत की आँखें दिल्ली की और आप पर लगी है। आपका यह कर्त्तव्य है कि आप इनका साथ दें. अन्यथा इतिहास आपको कभी भी माफ नहीं करेगा। यह सुनते ही बूढा शेर बहादुरशाह जफर गरज उठा और उसने कहा, फिरंगियों ने इतने जुल्म ढाए है कि हर तरफ कुहराम मचा हुआ है। देश की निगाहें दिल्ली की और लगी है तो हम लड़ेंगे बेगम जरूर लड़ेंगे आगे जो हमारी और मुल्क की किस्मत। हां जो भी हो मंजूरे खुदा, पर हम कसम खाते हैं कि गुलामी की मौत नहीं मरेंगे। तब तुम्हें भी तकलीफें उठाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए।

बहादुरशाह ने यह निश्चय किया कि वे अंग्रेजों का नामोनिशान मिटा देने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने हिन्दू राजाओं तथा मुसलमान नवाबों का आह्वान करते हुए कहा कि वे एक जुट होकर सरकारी दमन चक का विरोध करें। सबके यहां खत भिजवाएं। अभी हमारा फर्ज फिरंगी सरकार को खत्म करना है. बाद में आप सब जिसे चाहे, उसे भारत का शासक बनाए। बहादुरशाह जफर के इस खत का अधिकांश शासकों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। फिर भी वे निराश नहीं हुए। बेगम ने एक ओर बादशाह के मनोबल को ऊँचा बनाये रखा तो दूसरी ओर सिपाहियों का हौसला बढया। क्रांतिकारियों की दिल्ली में अंग्रेज सेना से जमकर लड़ाई हुई जिसने अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिए। सरकारी खजाने को लूट लिया गया। अनेक बहादुर क्रांतिकारी युद्ध में लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। इससे क्रांतिकारी घबराए नहीं. परन्तु धैर्य आपसी विश्वासघात असफल नेतृत्व असंगठन एवं रसद के अभाव के कारण क्रातिकारियों का मनोबल टूटने लगा। वे युद्ध-भूमि छोड़कर जाने लगे। 19 सितम्बर 1857 ई. को बहादुरशाह जफर को लाल किले में नजरबंद कर दिया गया। 20 सितम्बर को बेगम बन्दी बना ली गयी। बहादुरशाह जफर एवं बेगम जीनत महल को बन्दी बनाकर लाल किले में रखा गया। 27 जनवरी, 1858 ई. को उन पर राजद्रोह का अपराध लगाकर मुकदमा चलाया गया जिसमें उन्हें आजीवन काले पानी की सजा सुनाई गई। सरकार ने उन्हें रंगून जेल भेज दिया। अंग्रेजों ने बादशाह के दो लड़कों को पहले ही मौत के घाट उतार दिया था। उन्होंने उनके कटे हुए सिर रेशमी रूमाल से ढककर बहादुरशाह जफर के पास भेजे जिसे देखकर बादशाह का दिल दहल उठा। 7 नवम्बर 1862 ई. में पक्षाघात की बीमारी के कारण आजादी का दीवाना बहादुरशाह जफर इस दुनिया से चल बसा।

कैप्टन एच. एन. डेविस के अनुसार, मलिका जीनत महल अच्छी सेहत अच्छी सूरत शक्ल वाली एक मध्यम कद की महिला थी। परदे के पीछे बैठकर वह बादशाह को सलाह-मशविरा दिया करती थी।₹ बेगम जीनत महल को अपराधी घोषित करते हुए अंग्रेज सरकार ने उन्हें नानाविध कष्ट दिए। बेगम ने देश की आजादी के लिए महलों की एशो-आराम की जिन्दगी को त्याग दिया था। उनका यह त्याग कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा।

संदर्भ-भारत के मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानी
लेखक-डा.एस.एल.नागोरी, कान्ता नागोरी
पृष्ठ संख्या 16,18
संकलन प्रस्तुति साजिद खान धनपुरी
जिला शहडोल मध्य प्रदेश

माह नवंबर जन्म दिन पर विशेष : स्वतंत्रता सेनानी डॉ. सैयद शाह वजीउद्दीन मिन्हाजी

डॉ. सैयद शाह वजीउद्दीन मिन्हाजी, जिन्होंने अपनी लेखनी से ब्रिटिश सरकार पर हमला बोला गुप्त रूप से लोगों को स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए नेतृत्व करना और फिर भी सरकार के लिए एक रहस्य बना हुआ था 1907 में बिहार के रोहतास जिले के सहसराम में जन्मे उन्होंने नौ साल की उम्र में अपनी माँ को खो दिया; उनकी स्कूली शिक्षा गया और कलकत्ता में हुई। उन्होंने अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में राष्ट्रवादी विचारों का विकास किया जो वैचारिक रूप से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध थे। जल्द ही मिन्हाजी एक अच्छे वक्ता और कवि बन गये। जब वह 15 वर्ष के थे, तब उन्हें अंग्रेजों के कार्यों के विरुद्ध बोलने के कारण गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन अदालत ने उन्हें रिहा कर दिया उसके नाबालिग होने के आधार पर। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलनों में एक स्वयंसेवक के रूप में कार्य किया खिलाफत कमेटी की बैठक 1923 में गया में हुई थी। बाद में उन्होंने जमीयत उल उलेमा की गया शाखा का नेतृत्व संभाला। उन्होंने 1931 में एक हस्तलिखित समाचार पत्र 'हिन्दुस्तान' शुरू किया। इस समाचार पत्र को सरकार ने जब्त कर लिया था। इसने ब्रिटिश सरकार की जनविरोधी नीतियों को खारिज कर दिया। वह अपने पिता की इच्छा के विरुद्ध वे पटना चले गये खुद को परिवार तक सीमित रखना पसंद नहीं करते। आजीविका कमाने के लिए वह पटना से कई स्थानों पर गए और अंततः पहुँच ही गए 1932 में कलकत्ता जहां उन्होंने बिहार के एक प्रतिनिधि के रूप में 'इत्तेहाद सम्मेलन' में भाग लिया। उन्होंने 'अखिल भारतीय मुस्लिम' लीग का विरोध किया सम्मेलन की बैठकों में उन्हें एक सक्षम युवा नेता के रूप में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने बंगाल के 'मजलिस-ए-अहरारुल- इस्लाम' की शाखा के सचिव का पद संभाला। 2 जून 1932 को ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और कई जेलों में डाल दिया। उन्होंने अदालत द्वारा लगाए गए पचास रुपये के जुमार्ने के बदले में 35 दिनों की जेल की सजा काटी क्योंकि उन्हें जुर्माना भरना अपना अपमान लगा। गिरफ्तारी और कारावास से निडर होकर, मिन्हाजी ने एक और पांडुलिपि समाचार पत्र 'भागी' शुरू किया। इस पेपर के माध्यम से उन्होंने सरकार के बुरे कामों को उजागर किया और लोगों से अंग्रेजों के खिलाफ खुलेआम विद्रोह करने का आह्वान किया। उन्होंने खुद लिखा समाचार पत्र और इसकी प्रतियां कई क्षेत्रों में लोगों को गुप्त रूप से सौंपी गईं। हालांकि सरकार की नजर इस समाचारपत्र पर थी, उन्हें इसका विवरण नहीं मिल सका। अतः ब्रिटिश सरकार ने उन्हें दस हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की वह व्यक्ति जो उस व्यक्ति के बारे में जानकारी देगा जो 'भागी' में कविताएँ और लेख लिख रहा था। कोई भी प्राप्त करने में असमर्थ उसके बारे में जानकारी से सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची कि 'खतरनाक अजमाबादी' नामक एक अदृश्य व्यक्ति था. अखबार चलाना 1941 में अंग्रेजों ने उन पर संदेह करते हुए उन पर आरोप लगाते हुए उन्हें कुछ समय के लिए भागलपुर जेल में कैद कर दिया. पूरे राष्ट्रीय आंदोलन में, मिन्हाजी ने एक कार्यकर्ता, कवि, वक्ता और संपादक के रूप में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सक्रिय भाग लिया। उन्होंने भारत विभाजन के प्रस्ताव का खुलकर विरोध किया। आजादी के बाद उन्होंने होमियोपैथी पर महारत हासिल कर ली एक चिकित्सक के रूप में चिकित्सा की और लोगों की सेवा की। डॉ. सैयद शाह वजीउद्दीन मिन्हाजी, जिन्होंने अपना सारा जीवन लोगों की सेवा में बिताया। 15 नवंबर, 1984 को उनका का निधन हो गया।

(स्त्रोतः द इम्मोर्टल्स-2, सैयद नसीर अहमद द्वारा)
संकलन प्रस्तुति- साजिद खान धनपुरी जिला शहडोल मध्य प्रदेश

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल, साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भोलेनाथ परिसर में नाला भरती को लेकर स्थानीय रहिवासी बुरी तरह से हो रहे परेशान

शिकायत के बावजूद भी पूर्व नगर सेवक कमरूल हुदा द्वारा नहीं दिया जा रहा है ध्यान

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा शिल। विकास के दावे तो किया जा रहे हैं मगर विकास कहीं पर भी नजर नहीं आ रहा है पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी पूर्व नगर सेवकों ने अपने वार्ड में बेहतर कार्य नहीं किया गया है और शायद यही कारण है की भोलेनाथ परिसर में नाला जाम होने की वजह से पूरा गंदा पानी सड़क पर आ रहा है आपको बताते चले इसी परिसर के एक जागरूक नागरिक सैयद सलीम द्वारा कुछ चित्र हमको भेजे गए हैं जिसमें दिखाई दे रहा है कि नाले का गंदा पानी पूरा सड़क पर आ रहा है अफसोस की बात तो यह है जहां नाला बहता है और जिसका गंदा पानी सड़क पर आता है उसे जगह से नमाजियों को नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में जाना पड़ता है और मस्जिद मात्रा वहां से 15 फुट की दूरी पर ही है नाला जाम होने के

कारण सुबह से शाम तक नाला से निकलता हुआ गंदा पानी से स्थानीय रहवासी बुरी तरह से परेशान है क्योंकि गंदगी के कारण नमाज पढ़ने जाने वाले लोगों को मस्जिद में दिक्कत होती है और तो और गंदगी और दुर्गंध के कारण मच्छर उत्पन्न हो रहे हैं स्थानीय रवासियों में बीमारी उत्पन्न होने का डर समाया हुआ है किसी प्रकार का कोई भी ध्यान पूर्व नगर सेवक द्वारा नहीं दिया जा

रहा है शिकायत करने के बावजूद भी नगरसेवक ध्यान नहीं दे रही है हालांकि इस नाले के संबंध में पूर्व नगर सेवक कमरूल हुदा से फोन पर संपर्क कर नाले के संबंध में स्थानीय रेवासियों की आ रही शिकायतों के बारे में अवगत कराया गया था जिस पर उन्होंने एक हफ्ते का समय मांगा था एक हफ्ते के अंदर में नाला साफ करवा दूंगा लेकिन किसी प्रकार का कोई भी संज्ञान पूर्व नगर सेवक कमरूल हुदा द्वारा नहीं लिया गया है तो हम पूर्व नगर सेवक कमरूल हुदा से दोबारा निवेदन करते हैं की कृपा नाल की सफाई कराई जाए ताकि नमाजियों को नमाज पढ़ने के लिए जाने में मस्जिद की तरफ कोई दिक्कत ना आए और स्थानीय रहवासी मच्छर दुर्गंध और उत्पन्न होने वाली प्राण घातक बीमारी से सुरक्षित रह सके।

जरूरतमंद परिवार को द्वारिकामाई चैरिटी का सहारा

मुंबई। मुंबई की प्रख्यात सामाजिक संस्था द्वारिकामाई चैरिटी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरीशंकर चौबे द्वारा विगत वर्षों की भाँती इस वर्ष भी समाज मे जरूरतमंदो के बीच खाद्य सामग्री, मिष्ठान व राशनकीट इत्यादि का वितरण 11 नवंबर को 21 ब्राह्मणों की उपस्थिति में दिव्य मंत्रोच्चारण व शंखनाद के साथ डी.जी.एस. ग्रुप के विकासक ईश्वर शुक्ला के हाथों उद्घाटन हुआ जिसमें दिंडोशी विधानसभा के विभिन्न वार्डों मे संस्था के पदाधिकारियों द्वारा आवश्यक सामग्री वितरण की गयी। द्वारिकामाई चैरिटी संस्था हमेशा अपने सामाजिक कार्यो मे गरीब व जरूरतमंद , बेसहारा लोगों को समय समय मदद कर उन्हें समृद्ध बनाने का सराहनीय कार्य करती आ रही है। द्वारिकामाई चैरिटी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरीशंकर चौबे की ओर से इस अवसर पर 1100 परिवार को राशन ,दिए व मिष्ठान आदी के पैकेट संस्था के पदाधिकारियों द्वारा पहले से चिन्हित किए गये लोगो की सुलभता के लिए कूपन पद्धति से खाद्य सामाग्री वितरित कर दिवाली मनायी गयी। उक्त कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस प्रशासन व ट्रैफिस पुलिस की टीम का सराहनीय सहयोग रहा।कार्यक्रम को सफल बनाने में मुंबई अध्यक्ष एडवोकेट जितेंद्र शर्मा,ट्रस्टी वीरेन्द्र मिश्रा,रोहित गुप्ता,विवेक तिवारी,राजेन्द्र शर्मा,अनिल राजपूत,संतोष पाटिल,अनुराग मिश्रा,सुजीत पांडेय,सचिन सोनी,आनंद शर्मा,अनिता पांडेय,सीता प्रजापति,प्रेमलता शर्मा,सुरेखा पाल,अनिता गुप्ता,उपेंद्र उपाध्याय,रंजना गुप्ता,पुष्पा डोंगरे,पूजा चौबे,शांति यादव,ज्योति प्रजापति,संजना कहार,मारी यादव सहित तमाम कार्यकर्ताओ ने काफी मेहनत किया।

ठगो द्वारा हाथ की सफाई दिखाकर की गई लाखों रुपए के आभूषण की ठगी

आरोपी फरार, कलवा पुलिस स्टेशन द्वारा किया गया मामला दर्ज

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

कलवा। कलवा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत ठगो द्वारा लाखों रुपए आभूषण की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में पुलिस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गत 12 नवंबर रविवार को फरियादी हरेश ठाकरशी ठक्कर वर्ष 56 व्यवसाय व्यापार रहवासी मुलुंड (पश्चिम)मुंबई के बताए जा रहे हैं फरियादी अपनी स्कूटर से 12:10 बजे ठाणे से खरेगांव टोलनाका के पीछे नासिक मुंबई हाईवे पर कलवा की ओर जाते समय दो अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनकी स्कूटर को रोका गया और बताया कि आगे पुलिस की नाकाबंदी है और आपके आभूषण निकाल कर एक कागज की पुड़िया में बांध दो और उसके बाद दोनों आरोपियों द्वारा फरियादी को बातों में लगाकर और अपने हाथ की सफाई दिखाते हुए उनके लाखों रुपए के आभूषण लेकर फरार हो गए आभूषण की कुल कीमत 1,89,000/- हजार रुपए बताई जा रही है जिसके बाद फरियादी द्वारा की गई शिकायत के आधार पर आरोपी के विरुद्ध में गुं:रजिं :नः 613/2023 भारतीय दंड संहिता कलम की धारा 420,170,34 के तहत मामला दर्ज कर फरार ठगो की तलाश कलवा पुलिस द्वारा सरगमी से की जा रही है आगे इस मामले की छानबीन पुलिस उप निरीक्षक काळे द्वारा की जा रही है कलवा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कन्हैया थोरात ने जनता से ठगो से सावधान और चौकन्ना रहने की अपील की है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

क्रिकेट के 'विराट' बादशाह

मुंबई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले जा रहे वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में विराट कोहली ने इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। किंग कोहली के बल्ले से वनडे करियर का 50वां शतक निकला है, जिसने पूरे देश को झूमने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने इस शतक के साथ भारत के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। जिसके बाद से कोहली को सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी ने भी उन्हें बधाई दी है। पीएम मोदी ने विराट कोहली को बधाई देते हुए कहा कि आज आपने न केवल 50वां वनडे शतक बनाया है, बल्कि दृढ़ता का शानदार उदाहरण भी दिया। यह उपलब्धि स्थायी समर्पण और असाधारण प्रतिभा को दिखाती है। मोदी ने आगे कहा कि मैं आपको हार्दिक बधाई देता हूं। आप अगली पीढ़ियों के लिए मानदंड स्थापित करते रहें। टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल का यादगार बनाया तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 7 विकेट लेकर अपना नाम भारतीय गेंदबाजों की लिस्ट में सबसे ऊपर पहुंचा दिया है। वे वनडे क्रिकेट के इतिहास में भारत की ओर से एक पारी में 7 विकेट लेन वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराया। भारत ने पहले खेलते हुए 4 विकेट पर 397 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। विराट कोहली ने वनडे का 50वां शतक जड़ा तो श्रेयस अय्यर ने भी शतकीय पारी खेली। जवाब में कीवी टीम 327 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। शमी प्लेयर ऑफ द मैच बने। जीत के बाद मोहम्मद शमी ने डर का खुलासा किया। हॉट स्टार पर बात करते हुए शमी ने बताया कि जब हम 400 रन के स्कोर तक पहुंच गए थे, तब हमारे तोते उड़ गए थे क्योंकि पिच आसान दिख रही। यहां ओस भी पड़ती है। ऐसे में दूसरी पारी में बल्लेबाजी आसान हो जाती है। उन्होंने कहा कि ये चीज अच्छी हुई कि ओस नहीं पड़ी। ओस पड़ने पर गेंद स्किट करने लगती है और बल्ले पर अच्छे से आती है। दूसरी अच्छी चीज ये हुई कि उनके शुरूआत के बल्लेबाज बड़ा स्कोर नहीं खड़ा सके। अगर वे अच्छी शुरूआत दे देते, तो हम मुश्किल में पड़ सकते थे।

मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कई दिनों से विदेश से कोकीन भारत तस्करी कर रहा है। वह केवल भारत में नशीले पदार्थ को लेकर आता था और बदले में उसे पैसे मिलते थे। जिसके बाद एनसीबी ने मुख्य आरोपी की संलिप्तता की जांच शुरू की और सुराग मिलते ही उसकी तलाश तेज की। छानबीन में अधिकारियों को पता चला कि जब्त कोकीन को नई दिल्ली में आरोपी तक पहुंचाया जाना था। इसके बाद एनसीबी की एक टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई। जब आगे जांच बढ़ी तो कोकीन की तस्करी में विदेशी महिला रेहेमा का नाम सामने आया। एनसीबी ने उसे हिरासत में ले लिया और पूछताछ की तो यह स्पष्ट हो गया कि वह भी इस रैकेट में शामिल थी। उसे गिरफ़्तार कर दिल्ली की अदालत में पेश किया गया। विदेशी महिला को ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लाया गया है। इस ड्रग नेटवर्क में अंतरराष्ट्रीय गिरोह के शामिल होने का संदेह है। एनसीबी इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

नारी शक्ति सेवा फाउंडेशन ने गरीबों के साथ मनाई दिवाली

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। दि.12/11/2023 को देशभर में दीपावली का त्यौहार मनाया गया जो धनवान है उन्होंने अपनी दीपावली अपने परिवार और यार दोस्तों के साथ मनाई लेकिन नारी शक्ति सेवा फाउंडेशन ने यह दीपावली का त्यौहार गरजू गरीब लोगों के साथ मनाया नारी शक्ति सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष सुमय्या अली और पूरी टीम ने गरीब महिला पुरुष और छोटे बच्चों को कपड़े, स्वेटर और मिठाई बांटते हुए दीपावली बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया धनवान अपनी दीपावली पैसा होने की वजह से अच्छे से मानते हैं लेकिन जो गरीब जनता जिनको रहने के लिए घर नहीं है फुटपाथ पर अपनी जिंदगी जी रहे हैं उनके खाने की कोई व्यवस्था ठीक से नहीं है ऐसे लोगों को भी दीपावली की खुशियां मिले इस उद्देश से नारी शक्ति सेवा फाउंडेशन ने अपनी दिवाली गरजू गरीब लोगों के साथ मनाते हुए उन्हें भी दिवाली की खुशियों में शामिल किया इस समय संस्थापक अध्यक्षा सुमय्या अली नारी शक्ति चित्रा ताई, नारी शक्ति अदिति ताई, नारी शक्ति अश्विनी ताई, नारी शक्ति शीतल ताई, नारी शक्ति अस्मिता ताई, नारी शक्ति स्नेह ताई, नारी शक्ति आकांक्षा ताई, नारी शक्ति ऐश्वर्या ताई, नारी शक्ति समीक्षा ताई, आदि मौजूद थे इस प्रकार से कोई भी खुशियों का त्यौहार हो गरीब महिला पुरुष और छोटे बच्चों को ना भुलते हुए उन्हें भी अपनी खुशियों में शामिल करें ताकि त्योहारों की खुशी यह लोग भी अच्छे से मना सके क्योंकि यह खुशी अलग ही प्रकार की होती है ऐसा आवाहन संस्थापक अध्यक्षा सुमय्या अली नारी शक्ति सेवा फाउंडेशन इन्होंने किया।

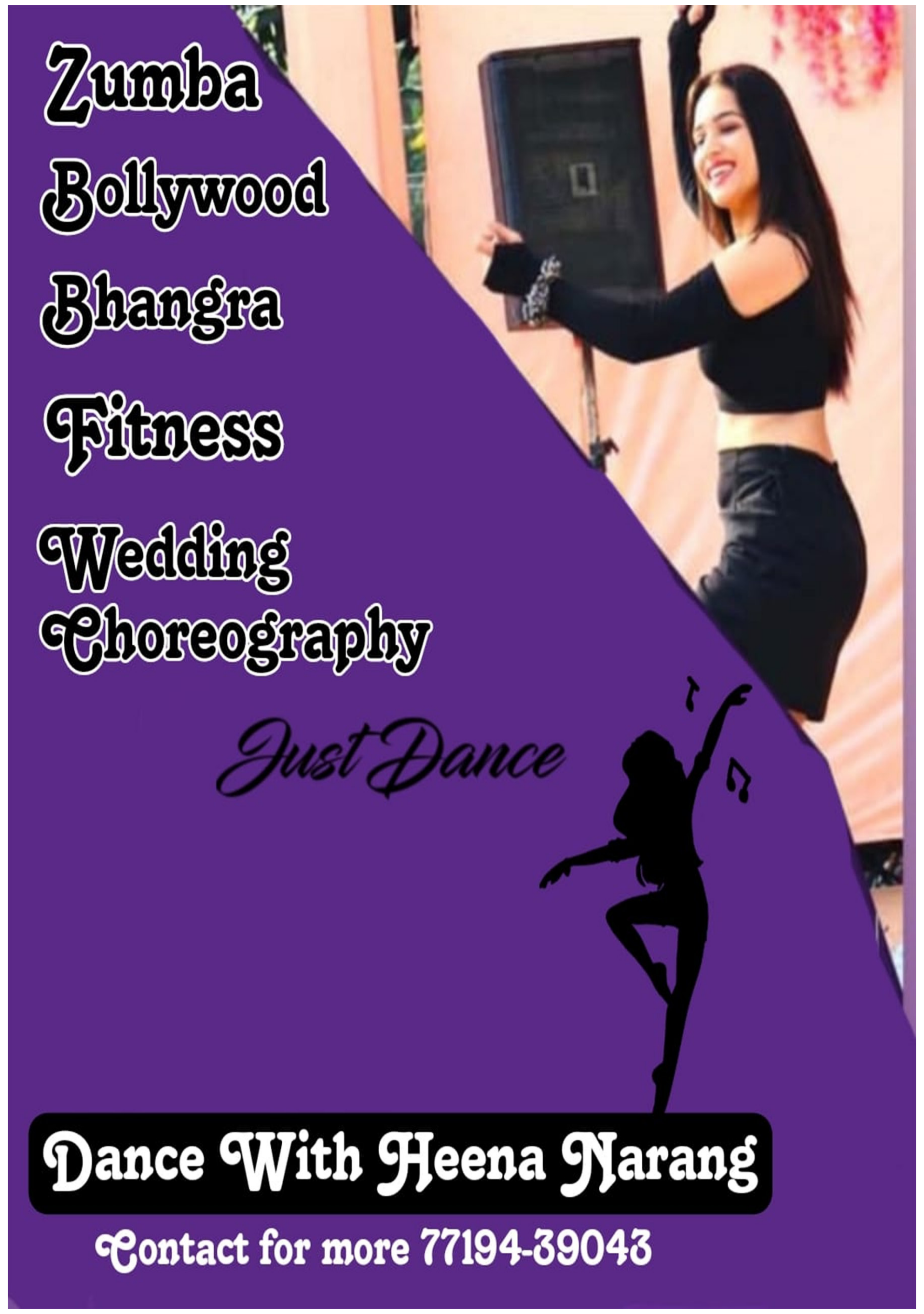

खबर संक्षेप

बांग्लादेश में 7 जनवरी को चुनाव, आज से नामांकन

ढाका। बांग्लादेश में 7 जनवरी को राष्ट्रीय संसद का चुनाव होगा। उसी दिन से रात को मतगणना शुरू होगी। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल ने बुधवार शाम राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में यह घोषणा की। 12वें राष्ट्रीय संसद चुनाव के लिए नामांकन पत्र जमा करने का काम गुरुवार से शुरू होगा। नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर है। नामांकन पत्र की जांच 1 से 4 दिसंबर तक होगी। नाम वापस की तिथि 17 दिसंबर है। चुनाव चिह्न का आवंटन 18 दिसंबर को किया जाएगा। मतदाताओं की कुल संख्या 11 करोड़ 96 लाख 91 हजार 633 है। संसद के पांच साल के कार्यकाल की समाप्ति से 90 दिनों के भीतर चुनाव आवश्य है।

अमेरिका ने ईरान से लिया बदला, 7 को मारा

वॉशिंगटन। इजराइल हमास में जारी जंग के बीच अमेरिका ने सीरिया स्थित ईरान से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया है।

अमेरिका ने सीरिया में ईरान से जुड़े मिलिशिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सात लोगों को मार गिराया। एक अमेरिकी अधिकारी ने नाम छापने की शर्त पर मंगलवार को इस बात का खुलासा किया। वहीं, रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि अमेरिकी कर्मियों पर किए गए हमलों के जवाब में रविवार को सीरिया में ईरान से जुड़े दो ठिकानों पर हमला किया गया।

सुब्रत राय के निधन के बाद फिर से चर्चा शुरू

सहारा की सेबी के पास पड़ी 25 हजार करोड़ से अधिक अवितरित धनराशि

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय के निधन के बाद पूंजी बाजार नियामक सेबी के खाते में पड़ी 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की अवितरित धनराशि फिर से चर्चा का विषय बन गई है। लंबे समय से बीमार रॉय का मंगलवार रात मुंबई में निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे।

रॉय को अपने समूह की कंपनियों के संबंध में कई विनियामक तथा कानूनी लड़ाइयों का सामना करना पड़ा। इनमें पोंजी योजनाओं में नियमों को दरकिनार करने का आरोप भी शामिल है। हालांकि, उनके समूह ने हमेशा इन आरोपों को खारिज किया है।

तीन करोड़ निवेशकों से जुटाया गया धन

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 2011 में सहारा समूह की दो कंपनियों सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसआईआरईएल) और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएचआईसीएल) को वैकल्पिक रूप से पूर्ण परिवर्तनीय बांड (ओएफसीडी) के रूप में पहचाने जाने वाले कुछ बांडों के जरिए करीब तीन करोड़ निवेशकों से जुटाए गए धन को वापस करने का आदेश दिया था।

पोंजी योजनाओं में नियमों को दरकिनार करने का लगा आरोप

- राय को कई विनियामक का सामना करना पड़ा
- सेबी ने 2011 में निवेशकों का धन वापस करने का दिया था आदेश

138 करोड़ की राशि निवेशकों को लौटाई गई

वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सेबी को 31 मार्च, 2023 तक 53,687 खातों से जुड़े 19,650 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से "48,326 खातों से जुड़े 17,526 आवेदनों के लिए 138.07 करोड़ रुपये की कुल राशि लौटाई गई, जिसमें 67.98 करोड़ रुपये की ब्याज राशि भी शामिल है।" शेष आवेदन सहारा समूह की दोनों कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराई जानकारी के जरिए उनका कोई पता नहीं लग पाने के कारण बंद कर दिए गए।

नियमों का उल्लंघन कर जुटाया था धन

नियामक ने आदेश में कहा था कि दोनों कंपनियों ने उसके नियमों और विनियमों का उल्लंघन करके धन जुटाया था। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद उच्चतम न्यायालय ने 31 अगस्त 2012 को सेबी के निर्देशों को बरकरार रखा और दोनों कंपनियों को निवेशकों से एकत्र धन 15 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस करने को कहा था।

95 फीसदी निवेशकों को प्रत्यक्ष रूप से भुगतान

इसके बाद सहारा को निवेशकों को धन लौटाने के लिए सेबी के पास अनुमानित 24,000 करोड़ रुपये जमा करने को कहा गया। हालांकि समूह लगातार यह कहता रहा कि उसने पहले ही 95 प्रतिशत से अधिक निवेशकों को प्रत्यक्ष रूप से भुगतान कर दिया है।

पुनर्भुगतान के लिए खाते खोले गए : पूंजी बाजार नियामक की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सहारा समूह की दो कंपनियों के निवेशकों को 11 वर्षों में 138.07 करोड़ रुपये वापस किए।

कुल जमा राशि 25,163 करोड़ रुपए

सेबी ने आखिरी अद्यतन जानकारी में 31 मार्च 2022 तक 17,526 आवेदनों से संबंधित कुल राशि 138 करोड़ रुपये बताई थी। सेबी ने कहा कि 31 मार्च 2023 तक राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा कुल राशि करीब 25,163 करोड़ रुपये है।

सुब्रत रॉय: छोटे-छोटे कदमों से तय किया शिखर तक का सफर

नई दिल्ली। सुब्रत रॉय बेशक आज देश के उद्योग क्षेत्र का जाना-पहचाना नाम है, लेकिन वह यहां काफी संघर्ष के बाद पहुंचे थे। उन्होंने छोटे-छोटे कदम के साथ शिखर तक पहुंचने का सफर तय किया। रॉय ने 1978 में दो हजार रुपये उधार लेकर अपना सफर शुरू किया और तीन दशक तक उसके आगे बढ़ाया। प्रत्येक निवेशक के 10-20 रुपये के न्यूनतम योगदान से हजारों करोड़ रुपये का कोष बनाया ... लेकिन विवादों के घिरने के बाद यह ढहने लगा। लंबे समय से बीमार सुब्रत रॉय का मंगलवार को मुंबई में निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे। रॉय को अपने समूह की कंपनियों के संबंध में कई नियामकीय तथा कानूनी लड़ाइयों से जूझना पड़ा। यह वाकया मशहूर है जब रॉय से करोड़ों निवेशकों से एकत्र किए गए भुगतान तथा रिटर्न के साथ उन्हें किए गए पुनर्भुगतान का सबूत मांगा गया, तो उन्होंने 31,000 से अधिक गत्ते के डिब्बों में दस्तावेजों को 128 ट्रकों में मुंबई में पूंजी बाजार नियामक सेबी के मुख्यालय भेज दिया था। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अधिकारियों को ढेरों निवेशक कागजातों को छांटने तथा सत्यापित करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद आखिरकार सेबी ने इन दस्तावेजों को किराये पर लिए एक बड़े गोदाम में रखा। इस गोदाम में 'स्वचालित रोबोटिक सिस्टम' और 32 लाख क्यूबिक फीट के सुरक्षित 'वॉल्ट' थे। सेबी की परेशानियां यही नहीं थमीं। इसके बाद नियामक को मामले में 20 करोड़ स्कैन किए गए पन्नों के डेटाबेस के लिए इलेक्ट्रॉनिक डेटा भंडारण तथा वेब एक्सेस सेवाएं प्रदान करने के लिए एक सर्वर होस्टिंग विक्रेता को नियुक्त करना पड़ा। सहारा समूह के खिलाफ निवेशकों के एक समूह और रोशन लाल व्यक्ति की शिकायत के बाद यह मामला खड़ा हुआ, जिसने धीरे-धीरे तूल पकड़ ली। समूह ने कमजोर पड़ने से पहले वित्त सेवाएं, रियल एस्टेट, विमानन, लंदन तथा न्यूयॉर्क में प्रमुख होटल, एक आईपीएल क्रिकेट टीम तथा फॉर्मूला वन रेसिंग टीम के साथ-साथ देश की क्रिकेट और हॉकी टीमों के लिए 'प्रायोजक' की भूमिका निभाई।सहारा की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक थी महाराष्ट्र में एक पहाड़ी टाउनशिप 'एंबी वैली' जिसमें क्रिकेट और फिल्मों से लेकर राजनीतिक क्षेत्र की कई महशहूर हस्तियों के 'विला' हैं, जिनमें से कई सुब्रत रॉय के "दोस्त" थे।

इनोवेशन ईकोसिस्टम को बढ़ावा देने

भारत और अमेरिका के मध्य हुआ एमओयू

- अमेरिका की मंत्री जीना भारत से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल मौजूद रहे

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत और अमेरिका ने अपने कॉमर्शियल डायलॉग के तहत "इनोवेशन हैंडशेक के माध्यम से इनोवेशन इकोसिस्टम को बढ़ावा देने क लिए एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया है। इस मौके पर अमेरिका की मंत्री जीना रायमोंडो जबकि भारत की तरफ से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल मौजूद रहे। भारत और अमेरिका के बीच इस समझौते की रूपरेखा पिछले साल जून में पीएम मोदी की अमेरिका की यात्रा के दौरान ही तैयार की गई थी। पीएम मोदी ने पिछले साल ही इसे लेकर एक घोषणा भी की थी।

कई अहम मुद्दों पर भी हुई बात

इस एमओयू पर सैन फ्रांसिस्को में "डिकोडिंग द "इनोवेशन हैंडशेक": यूएस-इंडिया एंटरप्रेन्योरशिप पार्टनरशिप" नामक किक-ऑफ इंडस्ट्री राउंडटेबल में हस्ताक्षर किए गए। यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा सह-आयोजित और नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विस कंपनीज (नैसकॉम) और स्टार्टअप इंडिया द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम में प्रमुख आईसीटी कंपनियों के सीईओ, अधिकारी उद्यम पूंजी फर्मों और महत्वपूर्ण और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्टार्टअप के संस्थापकों ने चर्चा की। इस चर्चा के दौरान खास तौर पर अमेरिका-भारत प्रौद्योगिकी सहयोग को कैसे बढ़ाया देने पर बात हुई। इससे दोनों पक्षों के गतिशील स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ने, सहयोग के लिए विशिष्ट नियामक बाधाएं दूर होंगी।

संयुक्त बयान में बताया बड़ा कदम

संयुक्त बयान में कहा गया था कि राष्ट्रपति बाइडेन और प्रधानमंत्री मोदी ने सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला और नवाचार साझेदारी के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने को दोनों देशों के सेमीकंडक्टर प्रोत्साहन कार्यक्रमों के समन्वय में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इससे व्यावसायिक अवसरों, अनुसंधान, प्रतिभा और कौशल विकास को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी की अमेरिका की यात्रा के दौरान ही तैयार की गई थी। पीएम मोदी ने पिछले साल ही इसे लेकर एक घोषणा भी की थी।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर सम्मानित किए कुछ चुनिंदा युवा व वरिष्ठ पत्रकार!

'प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत' की स्थापना के 05वे वर्ष तथा राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16 नवंबर 2023के उपलक्ष्य में पत्रकार हुए सम्मानित

मुंबई। पत्रकार सुरक्षा एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध अखिल भारतीय पत्रकार संगठन 'प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पंजीकृत' अपनी स्थापना के 05वे वर्ष तथा राष्ट्रीय प्रेस दिवस 16नवंबर 2023के उपलक्ष्य में देश भर के पत्रकारों के आवेदन आवेदन आमंत्रित किए थे। जिसमें अंतिम दिवस 10नवंबर 2023की शाम तक प्राप्त आवेदन पत्रों में से चयन उपरांत नामों की घोषणा की गई। कुछ वरिष्ठ व युवा पत्रकारों को संगठन द्वारा बिना आवेदन के भी सम्मानित किया गया है जिसमें छत्तीसगढ़ के दो वरिष्ठ पत्रकार, सांगली महाराष्ट्र के एक पत्रकार व कोलकाता की एक युवा युवा पत्रकार को सम्मानित किया जा रहा है। संगठन की राष्ट्रीय संगठन महासचिव श्रीमती शशि दीप मुंबई द्वारा इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि संगठन के संस्थापक अध्यक्ष डॉक्टर सैयद खालिद कैस एडवोकेट की सहमति से संगठन द्वारा इस वर्ष दिए जाने वाले सम्मानों की घोषणा की। घोषणा अनुसार देवर्षि नारद सम्मान 2023 छत्तीसगढ़ निवासी 30 वर्ष से अधिक समय से पत्रकारिता से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल वोहरा। धार मध्य प्रदेश

निवासी वरिष्ठ पत्रकार श्री सैयद रिजवान अली। गणेश शंकर विद्यार्थी स्मृति सम्मान 25वर्ष से अधिक समय से पत्रकारिता का अनुभव रखने वाले छत्तीसगढ़ निवासी वरिष्ठ पत्रकार श्री पूर्णचंद्र रथ व भोपाल मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार नौशाद कुरैशी संगठन द्वारा अपने विवेक से इस वर्ष का युवा पत्रकारिता का सम्मान 05वर्ष से तक से पत्रकारिता का अनुभव पत्रकार युवा गौरव सम्मान कोलकाता निवासी महिला पत्रकार स्नेहा रॉय तथा सांगली महाराष्ट्र निवासी पत्रकार संपत राव जाधव को दिया गया है।

कानपुर देहात में तेज रफ्तार ने ली दो दोस्तों की जान, घर में कोहराम

उर्स देखकर तेज रफ्तार बाइक से घर लौट रहे थे दोनों साथी

कानपुर। यहां देहात में रूरा थाना क्षेत्र उर्स देखकर तेज रफ्तार से लौट रहे दो दोस्तों की देवीपुर बंबे के पास पेड़ से टकरा कर मौत हो गई। इस दौरान उनकी मोटर साईकिल की रफ्तार बहुत तेज थी और वही उनकी असमय मौत का कारण बन गई। घटना से दोनों के घरों में कोहराम मचा है। जानकारी के मुताबिक रसूलाबाद थाना क्षेत्र के औझान गांव निवासी सुशील कुमार (23) गांव के मोहम्मद शानू (30) व शान मोहम्मद (25) के साथ मंगलवार रात उर्स में शामिल होने रूरा क्षेत्र के कड़री गांव आए थे। आज बुधवार तड़के तीन बजे के करीब तीनों बाइक से वापस घर लौट रहे थे।

इसी बीच शिवली कोतवाली क्षेत्र के देवीपुर रजबहे के पास पहुंचने पर उनकी बाइक बेकाबू होकर सड़क

किनारे खड़े आम के पेड़ से जा टकराई। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी दौरान खेतों की ओर जा रहे किसानों की नजर पड़ी तो पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची शिवली पुलिस ने तीनों को सीएचसी पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने सुशील व मोहम्मद शानू को मृत घोषित कर दिया। हादसे से उनके घर में कोहराम मचा है।

कश्मीर में युवाओं को पहले कट्टरपंथी... फिर आतंकी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हिंसा और आतंक के कृत्यों के माध्यम से जम्मू-कश्मीर की शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की योजना से जुड़े आतंकी साजिश मामले में एक पाकिस्तानी नागरिक सहित दो आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। आरोप पत्रित आरोपियों की पहचान जिला कुपवाड़ा, जम्मू-कश्मीर के उबैद मलिक और मुहम्मद दिलावर इकबाल उर्फ माज़ खान कश्मीरी उर्फ माज़ खान उर्फ माज़ कश्मीरी उर्फ आज़ाद कश्मीरी, अब्बासपुर, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का निवासी है।

जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मौलाना मसूद अज़हर अल्वी का करीबी सहयोगी दिलावर, क्षेत्र में

आतंकवादी कृत्यों और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा बड़ी साजिश रची गई।

एक के हिस्से के रूप में कश्मीरी युवाओं को प्रेरित करने में लगा हुआ था। एनआईए की जांच के अनुसार, दिलावर उबैद को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी रैंक में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए जिम्मेदार था।

साझा मिशन: इसरो और नासा मिलकर रखेंगे के पृथ्वी के बदलाव पर नजर

भूकंप-ज्वालामुखी आने के कारणों को समझना होगा आसान

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष संस्थान इसरो और नासा के वैज्ञानिक एक साथ मिलकर निसार मिशन पर काम कर रहे हैं। जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी, नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) की निदेशक लॉरी लेशिन ने कहा कि दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों इसरो और नासा के वैज्ञानिक नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार (एनआईएसएआर) मिशन पर मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अंतरिक्ष यान से आने वाले डेटा का अधिकतम लाभ उठा सकें।

लेशिन ने बेंगलुरु में बताया कि हम निसार पर नासा और इसरो के बीच काम करने के लिए बहुत उत्साहित हैं, जो पृथ्वी की सतह को देखने के लिए एक रडार मशीन है और साथ ही बताएगा कि पृथ्वी कैसे बदल रही है।

भारत में, वे यह समझने में रुचि रखते हैं कि तटों पर मैंग्रोव पर्यावरण कैसा है बदल रहा है। हम जानेंगे कि बर्फ की चादरें कैसे बदल रही हैं और दुनिया भर में भूकंप और ज्वालामुखी कैसे आ रहे हैं। हमारी पृथ्वी को बेहतर ढंग से समझने के लिए कई अलग-अलग पहलू हैं।

खास बातें

- नासार करेगा पृथ्वी का गहराई से अध्ययन
- पृथ्वी के हर एक बदलाव पर होगी वैज्ञानिकों की नजर
- बर्फ की सतह और भूमि को भी परखेंगे

अगले साल लॉन्च होगा निसार मिशन

अगले साल 2024 की शुरुआत में लॉन्च करने के लिए तैयार, निसार का संक्षिप्त रूप नासा और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है, ताकि पृथ्वी की भूमि और बर्फ की सतहों की गतिविधियों को बेहद सूक्ष्मता से ट्रैक किया जा सके।लेशिन ने कहा, यहां बेंगलुरु में जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के हमारे सहयोगियों का इसरो में अपने सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना बहुत रोमांचक रहा है। अविश्वसनीय सहयोग, शानदार टीम वर्क और एक-दूसरे से सीखना, टीम बहुत अच्छा काम कर रही है।

कई अलग-अलग मिशन पर साथ काम करने की तैयारी

नासा के लेशिन ने कहा कि भविष्य में वे पृथ्वी विज्ञान से परे हर तरह की चीजों पर काम करने के लिए तैयार हैं। लेशिन ने कहा, "हम सभी प्रकार की चीजों पर एक साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं, शायद चंद्रमा और मंगल ग्रह पर भविष्य के मिशनों पर भी। यह पहली बार है कि दोनों एजेंसियों ने पृथ्वी-अवलोकन मिशन के लिए हार्डवेयर विकास पर सहयोग किया है।

बारामूला के उरी सेक्टर के पास घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम

बारामुला। उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के उरी सेक्टर में भारतीय सेना को एक बड़ी सफलता मिली है। बुधवार यानी 15 नवंबर को उरी सेक्टर के एलओसी पर कुछ आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की। इस दौरान भारतीय सेना के साथ उनकी मुठभेड़ हुई जिसमें सेना ने 2 आंतकियों को मार गिराया है। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक खराब मौसम का फायदा उठाते हुए आंतकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की। मगर सेना को उनके हलचल की जानकारी मिल गई। इसके बाद आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ शुरू हुआ जिसमें दो आंतकी मारे गए हैं। ऐसा पहली बार नहीं है कि पाकिस्तान की तरफ से आतंकवादियों ने भारत में घुसपैठ करने की कोशिश की हो। इससे पहले अक्टूबर महीने में भी आतंकियों ने उरी सेक्टर के एलओसी पर घुसपैठ करने की कोशिश की थी। उस समय भी भारतीय सेना ने आतंकियों के इरादे पर पानी फेरा था। अक्टूबर में भी सेना ने 2 आतंकियों को मार गिराया था। इसके अलावा 2 एके सीरीज की राइफल औ 4 हैंड ग्रेनेड भी बरामद किया था।

उत्तराखंड हलचल

उत्तरकाशी टनल फूटा मजदूरों का गुस्सा, कंपनी की बड़ी लापरवाही आई सामने, इस वजह से हुआ भूस्खलन

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम को जोड़ने वाली आल वेदर की सुरंग में दीपावली के दिन से 40 मजदूर फंसे हुए है। रेस्क्यू में लगातार बिलम्ब हो रहा है जिससे फंसे मजदूरों के साथी मजदूरों ने सुबह से हंगामा हुआ है। सभी मजदूर अपने साथियों को बाहर निकालने की मांग पर अड़ गये है। घटना स्थल पर सही जानकारी देने को कोई जिम्मेदार अधिकारी सामने नही आ रहे है। आक्रोशित मजदूरों की आप बीती सुनिए मजदूरों की पीड़ा। उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग के निर्माण में लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। सुरंग के जिस संवेदनशील हिस्से में भूस्खलन हुआ वहां उपचार के लिए गार्टर रिब की जगह सरियों करिब बनाकर लगाया गया है। निर्माण में लगी कंपनी की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। सुरंग के एक मशीन ऑपरेटर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कंपनी से जुड़े लोगों की लापरवाही से आज 40 लोगों का जीवन संकट में है ।

शायद नहीं होता हादसा....

बताया कि सिलक्यारा सुरंग के मुहाने से 200 मीटर अंदर जहां भूस्खलन हुआ है वह हिस्सा संवेदनशील है जिसमें गार्टर रिब की जगह 32 एमएम की सरियों से बना रिब लगाया गया। जो कि मलबे का दबाव नहीं झेल पाया। बताया कि यहां गार्टर रिब लगाया गया होता तो शायद यह हादसा नहीं होता।

सुरंग के अंदर हैं दो संवेदनशील प्वाइंट

निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में दो प्वाइंट भूस्खलन के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। पहला प्वाइंट सिलक्यारा मुहाने से 200 मीटर की दूरी पर है, जिसमें वर्तमान में भूस्खलन हुआ है। एक अन्य सिलक्यारा वाले मुहाने से ही 2000 से 2100 मीटर के मध्य है। टनल के एक मशीन ऑपरेटर ने बताया कि 2000 से 2100 के बीच वाले संवेदनशील पार्ट का स्थाई उपचार हुआ है लेकिन 200 मीटर के निकट वाले का नहीं।

भूस्खलन से दबी हैं दो मशीन

रविवार को सुरंग में हुए भूस्खलन के मलबे में एक शॉटक्रिट मशीन व एक बूमर मशीन दबने की सूचना मिली है। एक मशीन ऑपरेटर ने बताया कि यहां उस दौरान ट्रीटमेंट का काम चल रहा था। जब हल्का मलबा गिरा तो इन मशीनों में कार्यरत कर्मचारियों ने भागकर अपनी जान बचाई। टनल के संवेदनशील हिस्से को छोड़कर आगे काम करना खतरनाक होता है। संवेदनशील हिस्से का स्थिरीकरण करना जरूरी होता है। जब स्थिरीकरण करते हुए आगे बढ़ते हैं तो जैसा भूस्खलन टनल में हुआ है, इसका खतरा नहीं होता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बदजुबानी में साफ झलकता है मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में हार का डर: करन माहरा

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मध्य प्रदेश में दिये गये चुनावी भाषण के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अपशब्द कहे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी पूरी तरह से अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं तथा उन्हें प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री करन माहरा ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के ही नहीं दुनिया के सबसे झूठे व्यक्ति हैं उन्होंने अपने 9 वर्ष के प्रधानमंत्रित्व काल में झूठ बोलने और देश की जनता को गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जैसे गरिमामयी पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के शीर्ष नेता के लिए इस प्रकार के अपशब्द शोभा नहीं देते हैं उन्होंने प्रधानमंत्री पद की गरिमा को निम्न स्तर तक गिरा दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने चुनावी भाषण में जिस जिस प्रकार हार की घबराहट को जाहिर किया है वह किसी से छुप नहीं सका है। उन्होंने कहा कि यह पहला अवसर नहीं है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी बदजुबानी का परिचय दिया है बल्कि इससे पहले कांग्रेस की शीर्ष नेता श्रीमती सोनिया गांधी जी एवं वरिष्ठ सांसद रेणुका चौधरी जी के बारे मे भी अपनी इसी विक्षिप्त मानसिकता का

परिचय दे चुके हैं।

श्री करन माहरा ने कहा कि आलू से सोना बनाने की बात राहुल गांधी जी ने नहीं बल्कि स्वयं नरेन्द्र मोदी ने गुजरात की एक चुनावी सभा में बोली थी तथा सोशल मीडिया के माध्यम से झूठों की जमात से भरी भाजपा ने करोड़ों रुपए खर्च कर इसे राहुल गांधी जी का बयान बताकर जनता को गुमराह किया था जबकि सच्चाई इससे बहुत परे है। उन्होंने कहा कि जिस मध्य प्रदेश की चुनावी सभा में झूठों के सरताज नरेन्द्र मोदी विपक्ष पर तरह-तरह के आरोप लगा रहे थे उसी मध्य प्रदेश से मोदी सरकार के कृषि मंत्री नरेन्द्र तोमर आते हैं जिनके भ्रष्टाचार के वीडियो उनके बेटे के माध्यम से वायरल हो रहे हैं परन्तु कांग्रेस पर परिवारवाद और भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले नरेन्द्र मोदी को उसमें न तो भ्रष्टाचार नजर आ रहा है और न ही परिवारवाद। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के नेताओं के घर बात-बात में सीबीआई और ईडी भेजने वाले नरेन्द्र मोदी की सरकार को भाजपा के नेताओं का भ्रष्टाचार नहीं दिखाई देता है तथा भाजपा के बडबोले प्रवक्ताओं की जुबान को लकुवा मार जाता है तथा सीबीआई और ईडी कार्यालय में हडताल हो जाती है। उन्होने कहा कि जब मणिपुर में महिलाओं की अस्मिता लूटी जाती है हिंसा होती है तब बडबोले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके प्रवक्ताओं की जुबान नहीं हिलती परन्तु जब गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी पर झूठे आरोप लगाने होते हैं तो नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी के अनपढ़ प्रवक्ताओं की जुबान गजभर की हो जाती है और वे बेशर्मी की सभी सीमाओं को लांघ जाते हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद जितने झूठ नरेन्द्र मोदी ने बोले हैं तथा उनके पद चिन्हों पर चलते हुए उनकी पार्टी के प्रवक्ताओं ने बोले हैं उसके लिए उन्हें झूठो के सरताज की उपाधि दी जाय तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों की हार से नरेन्द्र मोदी इतने बौखला गये हैं कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा का भी उन्हें ख्याल नहीं आ रहा है उन्हें अपने पद से त्यागपत्र दे देना चाहिए।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे देहरादून

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। मंगलवार शाम बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के साथ अन्य नेताओं ने उनका स्वागत। किया।

बाल दिवस के अवसर पर फुटबाल में गोल्ड मेडल मिलने पर आयुष बिष्ट को सम्मानित करते कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। मंगलवार बाल दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने केन्द्रीय विद्यालय अपर कैम्प में नौवीं के छात्र आयुष बिष्ट द्वारा फुटबाल में राष्ट्रीय स्तर पर फाइनल में गोल्ड मेडल प्राप्त होने पर सम्मानित किया। विदित हो कि 08 नवम्बर से 11 नम्बर तक रांची में आयोजित फुटबाल खेल के दौरान बिष्ट ने 8 गोल मारे थे और टीम को जीत के बाद उन्हें गोल्ड मेडल दिया गया था। आयुष के पिता पंकज बिष्ट भारतीय सेना के 15 गढ़वाल राईफल्स में नायब सुबेदार के पद पर तैनात हैं। इस अवसर पर बीजेपी मण्डल अध्यक्ष प्रदीप रावत, आरएस परिहार, सुरेन्द्र राणा, पूनम नौटियाल, निरंजन डोभाल, डा० बबीता सहौत्रा, मंजीत रावत, मोहन बहुगुणा, कुलदीप रावत, राकेश रावत, लारा रावत, पंकज बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में लोकसभा के चुनावसे पहले लागू होगा यूसीसी

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। उत्तराखंड में लोकसभा चुनाव से पहले समान नागरिक संहिता यानि कि (यूसीसी) को लागू किया जा सकता है। राज्य सरकार इस माह के अंत तक प्रस्तावित विधानसभा सत्र के दौरान समान नागरिक संहिता को कानून का दर्जा दे सकती है। सीएम धामी पहले ही विधानसभा का विशेष सत्र जल्द आयोजित होने के संकेत भी दे चुके हैं। वहीं इससे पहले राज्य में यूसीसी पर बयानबाजी शुरू हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि सरकार को यूसीसी के ड्राफ्ट को सार्वजनिक कर जनता को बताना चाहिए.... इसके साथ ही सभी विधायकों को ये ड्राफ्ट समय से मिले ताकी सत्र के दौरान इसकी कमियों को उठाया जा सके....वहीं बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता विनोद सुयाल ने कांग्रेस के सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस का काम सिर्फ सवाल उठाना है...सरकार जल्द ही राज्य में यूसीसी को लागू करेगी और ये राज्य पहला देश का राज्य होगा जहां यूसीसी लागू होगा आपको बता दें कि धामी सरकार ने मई 2022 में उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तय करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की रिटायर्ड जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया था।

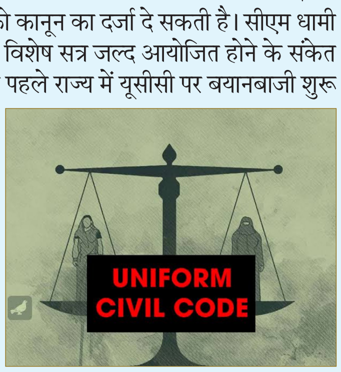

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

धूमधाम से मनाया गया सुहैल खंडवानी जी का जन्मदिन

दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान सहित कई हस्तियों ने दी जन्मदिन की मुबारकबाद

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई । हाजी अली और माहिम दरगाह शरीफ के ट्रस्टी बहुत ही नेक दिल इंसान जनाब सुहैल खंडवानी जी का जन्मदिन माहिम स्थित 15 नवंबर को बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान केक काटकर वहां पर मौजूद सभी लोगों ने सुहैल खंडवानी जी को मुबारकबाद दी और अल्लाह, ईश्वर से उनकी अच्छी सेहत और कामयाबी की दुवाएं की। जन्मदिन के इस शानदार कार्यक्रम में फिल्म जगत, राजनीति से लेकर बिजनेसमैन तक सभी जानी मानी हस्तियों ने शिरकत की। दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान ने जन्मदिन के इस कार्यक्रम में पहुंचकर सुहैल खंडवानी जी को केक खिलाकर उनकी लंबी उम्र की दुवाएं दी। साथ ही इस मौके पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चेरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय एल. दुबे, नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुंदरी ठाकुर, पवन चौहान, सलीम मपखान, शाकिब महिमी, रिजवान बेग, जावेद पारेख, डॉ लांबा, साजिद सुपारीवाला, साजिद कुरेशी, सईद कुरेशी, इमरान गुजराती, मोइन भाई, साजिद पटेल सहित अन्य हस्तियों ने पहुंचकर सुहैल खंडवानी जी को जन्मदिन की मुबारकबाद दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर